an>

title: Regarding providing employment to local residents in Jhabua Industrial zone and control pollution.

श्री कांति लाल भूरिया (रतलाम) : सभापति महोदय, मैं आपका बहुत धन्यवाद करता हूं कि आपने मुझे शून्य काल में बोलने का मौका दिया। झाबुआ आदिवासी बहुल जिला है। वहां पर 85 प्रतिशत आदिवासी भाई निवास करते हैं। झाबुआ जिले के मेघनगर क्षेत्र में रोजगारमूलक उद्योगों को बढ़ावा देने हेतु विशेष औद्योगिक क्षेत्र की स्थापना की गयी थी। पर्यावरण के साथ ही विकास के समन्वय की आवश्यकता के उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए, वर्ष 2003 तक मध्य प्रदेश सरकार द्वारा संतुलन बनाये रखा गया। तत्पश्चात्, भाजपा के सत्ता में आने के बाद गुजरात एवं पश्चिम मध्य प्रदेश के 175 से अधिक उद्योगों को यहां स्थापित करने की अनुमति और लाइसेंस जारी किये गये हैं। लेकिन, मूल भावना के विपरित स्थानीय निवासियों को रोजगार उपलब्ध नहीं है। इन उद्योगो में रासायनिक कचरे द्वारा खतरनाक स्तर पर प्रदूषण फैलने के कारण कई ग्रामों में हृदय रोग, कैंसर और अन्य खतरनाक बीमारियों ने अपनी गिरफ्त में लोगों को ले लिया है और इससे वहां पर पशु-पक्षी भी प्रभावित हो रहे हैं। स्थानीय स्तर पर कई प्रकार की शिकायत करने पर, मध्य प्रदेश शासन और जिला प्रशासन कोई कार्रवाई नही कर रहा है। यह अत्यंत गंभीर मामला है, जिस पर कार्रवाई अपेक्षित है।

सभापति महोदय, इसी तरह से सर्राफा बाजार के लोगों का पूरे देश में आंदोलन चल रहा है, वे सब्जी बेच रहे हैं, चाय बेचने की कगार पर खड़े हैं, सभी सदस्यों ने उस मुद्दे को सदन में रखा है, मैं उससे अपने-आप को जोड़ते हुए, आग्रह करना चाहता है कि इस मुद्दे की ओर सरकार गंभीरता से ध्यान दे।...(व्यवधान)